कृषि विज्ञान केन्द्र, बरेली द्वारा "उर्वरकों के संतुलित उपयोग" विषय पर
वर्चुअल कृषक गोष्ठी का आयोजन

आज दिनांक 18 जून, 2021 को कृषि विज्ञान केन्द्र, भाकृअनुप–भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली द्वारा "उर्वरकों के संतुलित उपयोग" विषय पर कृषक जागरूकता अभियान के अन्तर्गत "वर्चुअल कृषक गोष्ठी" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के संयुक्त निदेशक, प्रसार शिक्षा, डॉ. हरेन्द्र कुमार गुप्ता ने की।

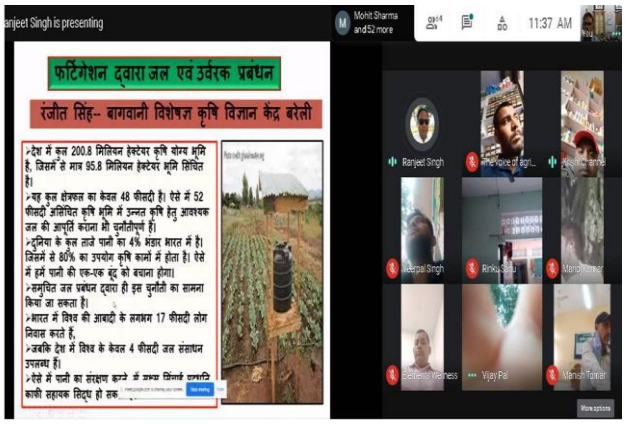

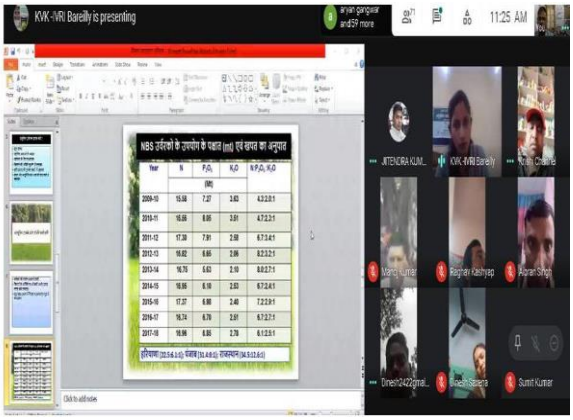

इस अवसर पर आपने अध्यक्षीय सम्बोधन में संतुलित उरवर्क के प्रयोग के महत्व के सम्बन्ध में जानकारी देते हुये बताया की फसल उत्पादन की सफलता पूर्ण रूप से पौधे को संतुलित पोषण देने पर निर्भर करती है। यदि फसल को भूमि से संतुलित पोषण प्राप्त नहीं होगा तो फसल उत्पादन के साथ–साथ मानव तथा पशुओं सहित सभी का स्वास्थ्य तथा कार्य क्षमता प्रभावित होगी।

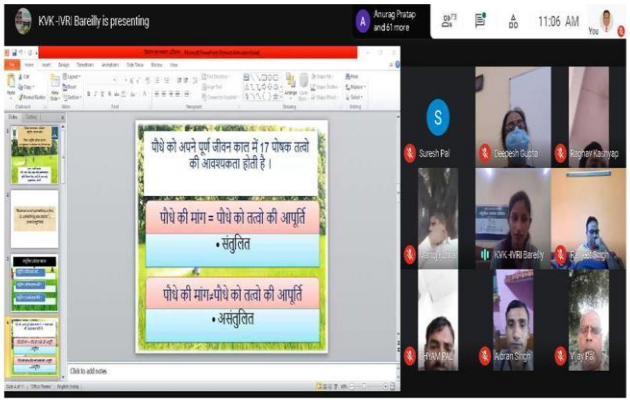

विशिष्ट अतिथि डॉ महेश चन्द्र, विभागाध्यक्ष, प्रसार शिक्षा ने अपने अनुभवों को साझा करते हुये पुराने समय में होने वाली खेती व आज के समय की खेती में तुलनात्मक रूप से विषय पर चर्चा करते हुये बताया कि किसान भाई प्रायः अधिक खाद देने और उसमें भी विशेष रूप से यूरिया के प्रयोग पर विशेष जोर देते है। आज का यह कार्यक्रम उन्हें फसल उत्पादन में खाद तथा उर्वरक का संतुलन बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करेगा। इससे पूर्व कृषि विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष, डॉ ब्रजपाल सिंह ने संयुक्त निदेशक, प्रसार शिक्षा, विभागाध्यक्ष, प्रसार शिक्षा तथा उपस्थित कृषकों का स्वागत करते हुए किसानो को खेतो में असंतुलित मात्रा में प्रयोग हो रहे उर्वरको के दुष्प्रभाव का विवरण दिया व कैसे इसके संतुलन को सुचारु रूप से बनाए रख इस पर विचार रखे।

कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में श्रीमती वाणी यादव, वरि. तक.सहा. कृषि विज्ञान केन्द्र ने किसानो को संतुलित उर्वरक प्रयोग पर ध्यान देने की आवश्यकता क्यों है, संतुलित उर्वरक प्रयोग किस प्रकार अपनाया जाए, संतुलित उर्वरक प्रयोग में मृदा परीक्षण की भूमिका, असंतुलित उर्वरक प्रयोग से होने वाली हानियो' तथा पोषक तत्वों के कार्य के सम्बन्ध में जानकारी दी। साथ ही 4 आर अर्थात उर्वरक उपयोग का सही समय, सही स्थान, सही मात्रा तथा सही स्रोत पर भी चर्चा की। डॉ रंजीत सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ (बागबानी) ने कृषको को टपक विधि, फुहारा विधि द्वारा सिंचाई एवं उर्वरको के प्रयोग, फर्टीगेशन पर विस्तार से जानकारी प्रदान की जिसमें विभिन्न फसलों, सब्जियों व फलो में उर्वरको के प्रयोग पर जानकारी साझा की।

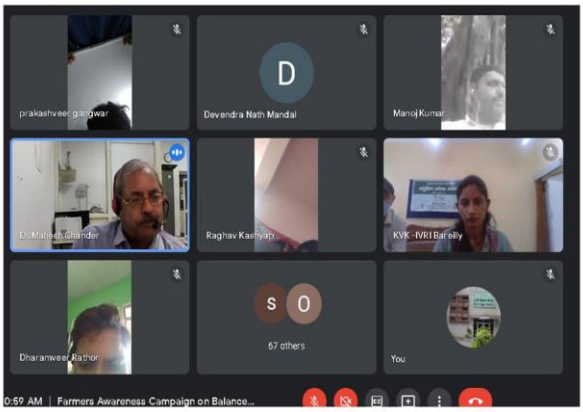

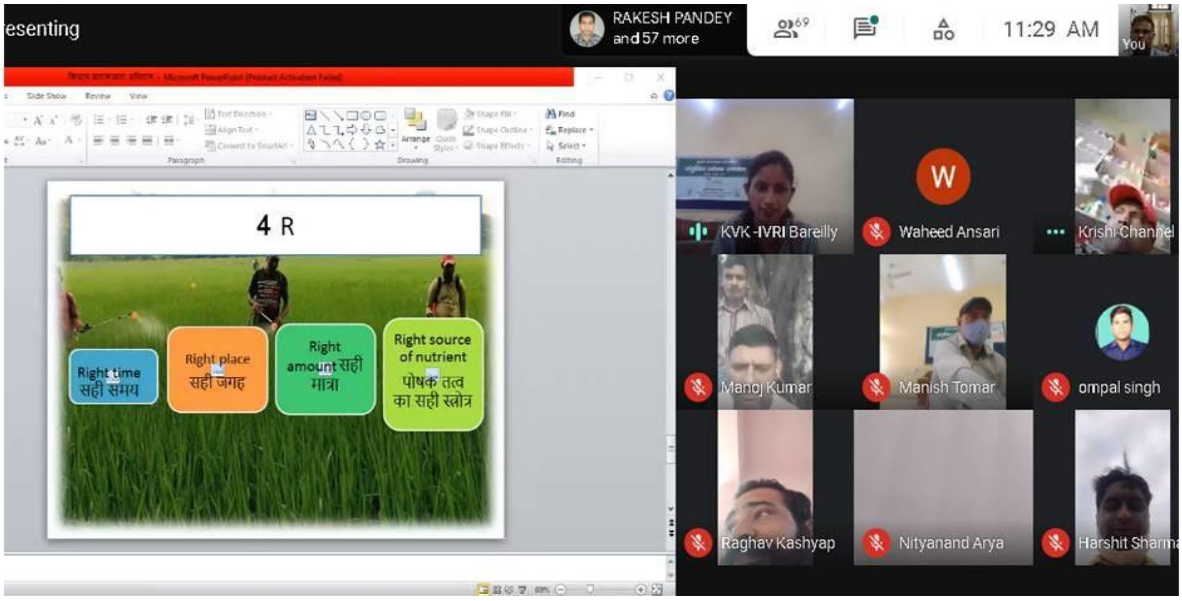

श्री राकेश पांडे, विषय वस्तु विशेषज्ञ (फसल विज्ञान) ने फसल अवशेष प्रबन्धन द्वारा मृदा स्वास्थ्य में सुधार, रसायनिक उर्वरको के प्रयोग तथा सिंचाई व्यय में कमी, पर्यावरण में सुधार आदि बिन्दुओ पर किसानो को जानकारी दी। फसल अवशेष प्रबन्धन में उपयोग होने वाले कृषि यंत्र, यंत्रो पर सरकार द्वारा दिये जाने वाले अनुदान के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा की । उन्होने मृदा परीक्षण के लिए सही प्रकार से मृदा नमूना लेने के महत्व के सम्बन्ध में भी जानकारी दी।

कार्यक्रम में विभिन्न जनपदों व गावों से कुल 92 प्रतिभागियो ने सहभागिता दर्ज की । कार्यक्रम के अंत में डॉ. ब्रजपाल सिंह, प्रभारी, कृषि विज्ञान केन्द्र, बरेली ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि व कृषक भाइयो व महिलाओं को धन्यवाद ज्ञापित किया ।